पाठ्यक्रम सत्र 2020–21
कक्षा – दसवीं
विषय – सामाजिक विज्ञान
विषय कोड – 300

सैद्धांतिक अंक – 75
प्रायोजना अंक – 25

पूर्णांक – 100 (75+25)

क्र.	इकाई	पाठ्यवस्तु	आबंटिक अंक	आबंटित कालखण्ड
1.	1.	1. संसाधन और विकास 2. विकास की समझ	**09**	**15**
2.	2.	1. प्रथम विश्वयुद्ध	04	05
3.	3.	1. भारत के संविधान का निर्माण 2. संविधान शासन व्यवस्था और सामाजिक सरोकार	06	07
4.	4.	1. कृषि 2. दो विश्वयुद्धों के बीच रूसी क्रांति और महामंदी 3. मुद्रा एवं साख	10	10
5.	5.	1. खनिज संसाधन और औद्योगीकरण 2. दो विश्वयुद्धों के बीच जर्मनी में नाजीवाद और दूसरा विश्वयुद्ध 3. सरकारी बजट और कर निर्धारण	11	13
6.	6.	1. मानव संसाधन 2. स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र और राजनैतिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली	07	14
7.	7.	1. उपनिवेशों का खात्मा और शीतयुद्ध	08	12
8.	8.	1. लोकतंत्र में जनसहभागिता	08	06
9.	9.	1. लोकतंत्र और सामाजिक आंदोलन	12	18
		योग	**75**	**100**
		प्रायोजना अंक	**25**	**20**
		महायोग	**100**	**120**

WWW.STUDYDISCUSS.IN

पाठ्यक्रम सत्र 2020–21
कक्षा – दसवीं
विषय – सामाजिक विज्ञान
विषय कोड – 300
इकाईवार पाठ्यक्रम

समय : 03 घण्टा **पूर्णांक – 75**

इकाई क्रमांक	विषय सामग्री	आबंटित अंक	कालखण्ड
01.	**1.1 संसाधन और विकास** प्राकृतिक सम्पदा के साथ रिश्ता, संसाधन किसका, पर्यावरण विज्ञान की नजर से, प्राकृतिक संसाधन, नवीकरणीय संसाधन, अनवीकरणीय संसाधन, संसाधन और विकास, संसाधन प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन के नये मौके और चुनौतियां। **1.2 विकास की समझ** विकास–विभिन्न लोगों की दृष्टि से, विकास की योजनाओं में विरोधाभास, आय एवं अन्य लक्ष्य, आय के मापदंड और आय का वितरण, विकास के अन्य सूचक : शिक्षा एवं स्वास्थ्य, मानव विकास सूचकांक, सार्वजनिक सुविधाएँ।	09	15
02.	**प्रथम विश्वयुद्ध** कुछ बुनियादी तथ्य, इसे विश्वयुद्ध क्यों कहते हैं, प्रथम विश्वयुद्ध की शुरुआत कैसे हुई? जटिल अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ, अतिराष्ट्रवादी भावनाएँ और सैन्यवाद, प्रथम विश्वयुद्ध क्यों हुआ? प्रथम विश्वयुद्ध की प्रमुख घटनाएँ, प्रथम विश्वयुद्ध में नई तकनीकें, युद्ध का जनसामान्य पर प्रभाव, युद्ध और महिलाएँ, भाांति समझौते, वरसाई संधि जून 1919, वरसाई संधि के परिणाम, राष्ट्र संघ की स्थापना।	04	05
03.	**3.1 भारत के संविधान का निर्माण** संविधान की आवश्यकता क्यों है? भारत का संविधान निर्माण और ऐतिहासिक संदर्भ, संविधान सभा का गठन और काम के तरीके, भारतीय संविधान की उद्देशिका में दिए गए मूल्य व आदर्श। **3.2 संविधान शासन व्यवस्था और सामाजिक सरोकार** संविधान में राजनैतिक संस्थाओं की संरचना, संघीय विधायिका (संसद), संसद के कार्य एवं शक्तियाँ, संघीय कार्यपालिका (राष्ट्रपति एवं मंत्री परिषद), प्रधानमंत्री और मंत्रीपरिषद, न्यायपालिका, भारत का सर्वोच्च न्यायालय, निर्वाचन आयोग, संविधान और सामाजिक बदलाव के अवसर, सामाजिक बदलाव के लिये संविधान में संशोधन, संविधान का विकसित होता हुआ स्वरूप।	06	07
04.	**4.1 कृषि** भारत में फसल ऋतु, भारत में फसल उत्पादन, फसल प्रतिरूप में बदलाव : सांकरा गांव की कहानी, फसल प्रतिरूप के कुछ उदाहरण, भूमण्डलीकरण एवं भारतीय कृषि।	10	10

WWW.STUDYDISCUSS.IN

4.3 दो विश्वयुद्धों के बीच रूसी क्रांति और महामंदी

रूसी क्रांति, भीषण आर्थिक मंदी और कल्याणकारी सरकार।

4.3 मुद्रा एवं साख

मुद्रा का बदलता स्वरूप, आधुनिक समय में मुद्रा के स्वरूप, मुद्रा का निर्गम, बैंक के कार्य, साख, ऋण की शर्तें, भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका।

05.	**5.1 खनिज संसाधन और औद्योगीकरण** खनिज यानि क्या? खनिज किसके है? खनिज नीति, खनन प्रक्रिया क्या है? कुछ महत्वपूर्ण खनिज और उनके प्रयोग, खनिजों का वितरण, पेट्रोलियम, औद्योगीकरण, उद्योगों की स्थापना को प्रभावित करने वाले कारक, प्रौद्यागिकी, औद्योगिक नीति, नई औद्योगिक नीति का प्रभाव, भारत के वृहत् औद्योगिक प्रदेश, औद्योगीकरण के प्रभाव। **5.2 दो विश्वयुद्धों के बीच – जर्मनी में नाजीवाद और दूसरा विश्वयुद्ध** प्रथम विश्वयुद्ध के बाद, दक्षिणपंथी आंदोलन और फॉसीवाद, जर्मनी में नाजीवाद, नाजी शासन के अधीन समाज एवं राज्य, यहूदियों व अन्य का नरसंहार, विदेश नीति और द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत और द्वितीय विश्वयुद्ध, विश्वयुद्ध के बाद, संयुक्त राष्ट्रसंघ। **5.3 सरकारी बजट और कर निर्धारण** सरकार की भूमिका, सरकारी बजट, जनता की भागीदारी और बजट, कर, अप्रत्यक्ष कर, उत्पाद शुल्क, मूल्य संबंर्धित कर (Value Added Tax) के रूप में अप्रत्यक्ष कर, आगे की ओर..... वस्तु एवं सेवा कर (GST), प्रत्यक्ष कर, आयकर, करारोपण में न्यायसंगतता, कर अपवंचना या कर चोरी, कर और व्यय– अंतर्राष्ट्रीय तुलना।	11	13
06.	**6.1 मानव संसाधन** जनगणना से प्राप्त होने वाले महत्वपूर्ण आँकड़े, कुल जनसंख्या और वृद्धि दर, लिंग अनुपात, आयु संघटन (बच्चों, युवा और वृद्धों का अनुपात) काम और कार्यशील जनसंख्या, साक्षरता, जनसंख्या और विकास, जनसंख्या एवं गरीबी। **6.2 स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र और राजनैतिक संस्थाओं की कार्य प्रणाली** पहला आम चुनाव 1952, एक दल का वर्चस्व, जमींदारी प्रथा का खात्मा 1949–56, हिन्दू कोड बिल 1552–56, राज्यों का पुनर्गठन और राज्य पुनर्गठन आयोग, योजनाबद्ध विकास, विदेश नीति और पड़ोस के साथ संबंध, क्षेत्रीय दलों एवं क्षेत्रीय आंदोलनों का उभार, राजभाषा का सवाल और हिन्दी विरोधी आंदोलन, भारतीय राजनीति में 1967 के बाद की प्रमुख राजनैतिक घटनाएँ – बैंको का राष्ट्रीयकरण और प्रिवीपर्स की समाप्ति, काँग्रेस का विभाजन, **बांग्लादेशयुद्ध, आपातकाल, क्षेत्रीय आकांक्षाओं का उभार और सत्ता का विकेन्द्रीकरण** – पंजाब में आंदोलन, असम में आन्दोलन, पंचायती राज और सत्ता का विकेन्द्रीकरण, राजनीति में क्षेत्रीयता, जातीयता और धर्म तथा गठबंधन सरकारें।	07	14
07.	**उपनिवेशों का खात्मा और शीत युद्ध** द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्थिति, उपनिवेशों में राष्ट्रवादी आंदोलन, विउपनिवेशीकरण के कुछ उदाहरण – भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, अफ्रीका, नाइजीरिया, शीतयुद्ध और सोवियत संघ का विघटन 1945 से 1992।	08	12

WWW.STUDYDISCUSS.IN

08.	**लोकतंत्र में जनसहभागिता** मतदान – क्या और क्यों? भारत में मतदान व्यवहार – कितने लोग वोट देते है? कौन–कौन सी बातें मतदाताओं पर प्रभाव डालती है? भारत में विभिन्न राजनैतिक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व – लोकसभा, में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, स्थानीय निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व, लोकसभा में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों का प्रतिनिधित्व, दबाव समूह – लोकतंत्र में दबाव समूह की भूमिका, लोकतंत्र और संगठन, ट्रेड यूनियन या मजदूर संघ, व्यावसायिक हित समूह, जातीय एवं धार्मिक दबाव समूह, महिला संगठन दबाव समूह के रूप में, मीडिया और जनसहभागिता – जनसहभागिता में मीडिया की भूमिका।	04	06
09.	**लोकतंत्र और सामाजिक आंदोलन** समाजिक आन्दोलनों की अवधारणा एवं परिप्रेक्ष्य – नियमगिरी में डोंगरिया कोंडाओं का आंदोलन, सूचना का अधिकार का संघर्ष, सूचना के अधिकार की माँग, भांति के लिये आन्दोलन, अन्य देशों में भांति आन्दोलन।	12	18

योग	**75**	**100**
प्रायोगिक अंक	**25**	**20**
महायोग	**100**	**120**

उपसचिव
छ0 ग0 माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर

WWW.STUDYDISCUSS.IN